चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 मई 2026, अंक –287.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

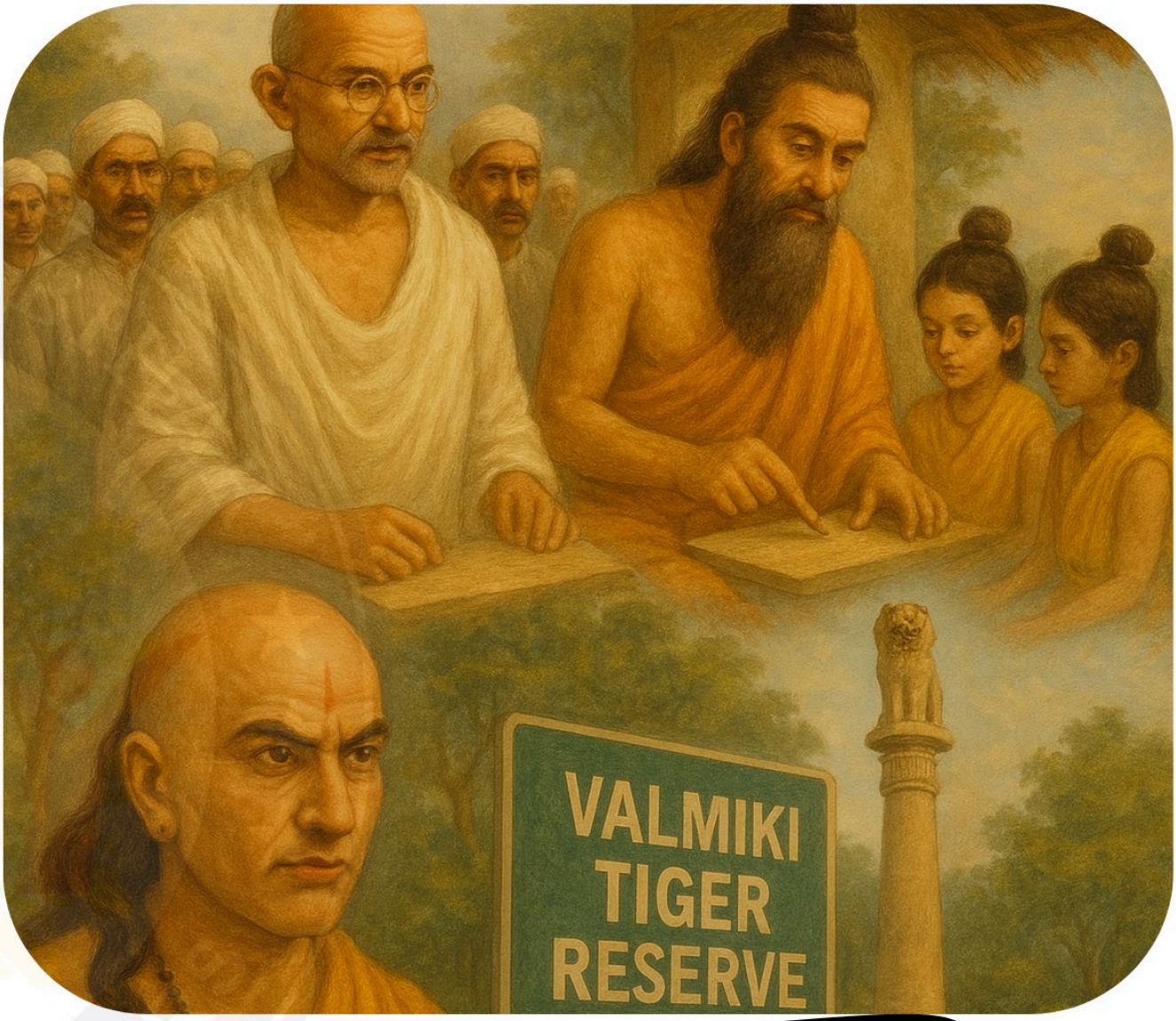

"उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।"

(कार्य उद्यम से सिद्ध होते हैं, केवल इच्छा से नहीं।)

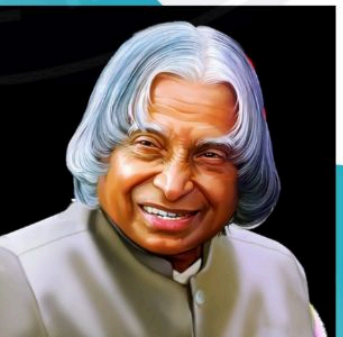

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना:

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की राजधानी क्या है?
उत्तर: अबू धाबी
प्रश्न 2. भारत में 'चिपको आंदोलन' से जुड़ी प्रमुख महिला कौन थीं?
उत्तर: गौरा देवी
प्रश्न 3. 'मिम कुट' उत्सव किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. 75 संख्या 5 से विभाज्य है या नहीं?
उत्तर: हाँ
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा स्थान भगवान महावीर के निर्वाण स्थल के रूप में प्रसिद्ध है?
उत्तर: पावापुरी
प्रश्न 6. सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. कंप्यूटर माउस का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: डगलस एंगेलबार्ट
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद शिक्षा के अधिकार से संबंधित है?
उत्तर: अनुच्छेद 21A
प्रश्न 9. 'जो दूसरों का भला करे' — उसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: परोपकारी
प्रश्न 10. पौधों में बीज बनने के बाद फूल का कौन-सा भाग फल में बदल जाता है?
उत्तर: अंडाशय

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Classroom – (क्लासरूम) – कक्षा
Blackboard – (ब्लैकबोर्ड) – श्यामपट्ट
Attendance – (अटेंडेंस) – उपस्थिति
Lesson – (लेसन) – पाठ
Chapter – (चैप्टर) – अध्याय
Scholarship – (स्कॉलरशिप) – छात्रवृत्ति
Certificate – (सर्टिफिकेट) – प्रमाणपत्र

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या वे ... करते/करती हैं?" (Do they ...?)

क्या वे पढ़ते हैं? – Do they read?
क्या वे लिखते हैं? – Do they write?
क्या वे खेलते हैं? – Do they play?
क्या वे खाना खाते हैं? – Do they eat food?
क्या वे अंग्रेज़ी सीखते हैं? – Do they learn English?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 23 मई को रेंगने वाले जीवों के संरक्षण और उनके प्रति क्रूरता रोकने हेतु कौन सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व कछुआ दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 23 मई को 'World Turtle Day' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में कछुओं और उनके लुप्त हो रहे प्राकृतिक आवासों को बचाने के लिए लोगों को जागरूक करना है। पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) और जल शुद्धि में इन जीवों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: American Tortoise Rescue (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में अंतरिक्ष पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किस निजी एयरोस्पेस कंपनी ने 'शटल-क्रू' मिशन का सफल परीक्षण किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: स्पेसएक्स (SpaceX)
व्याख्या: मई 2026 में स्पेसएक्स ने आम नागरिकों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में सुरक्षित और कम खर्चीली अंतरिक्ष यात्रा के नए कैप्सूल का परीक्षण किया। अंतरिक्ष विज्ञान और निजी तकनीकी सहभागिता से संबंधित यह प्रश्न आधुनिक परीक्षाओं के लिए उपयोगी है।
संदर्भ: International Aerospace Journal, May 2026.

3. प्रसिद्ध बौद्ध ग्रंथ 'बुद्धचरित', जो भगवान बुद्ध की सबसे पहली पूर्ण जीवनी है, के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: अश्वघोष
व्याख्या: कवि और दार्शनिक अश्वघोष कुषाण राजा कनिष्क के दरबारी कवि थे। उन्होंने बुद्ध की जीवनी 'बुद्धचरित' की रचना संस्कृत भाषा में की थी। प्राचीन भारतीय इतिहास, साहित्य और बौद्ध दर्शन के विकास को समझने के लिए यह ग्रंथ एक प्रामाणिक साहित्यिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 94.

4. पृथ्वी के वायुमंडल में ओजोन परत (Ozone Layer) की मोटाई को मापने के लिए किस वैज्ञानिक इकाई का प्रयोग किया जाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: डॉप्सन (Dobson)
व्याख्या: ओजोन परत की मोटाई को 'डॉप्सन यूनिट' (DU) में मापा जाता है। समताप मंडल में ओजोन का सामान्य स्तर लगभग 300 DU होता है। यदि इसकी मात्रा 220 DU से कम हो जाए, तो उसे 'ओजोन छिद्र' कहा जाता है। पर्यावरण संरक्षण और ओजोन क्षरण की अवधारणा परीक्षाओं का एक प्रिय विषय है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Geography / Climate Studies Core.

5. प्राचीन भारत में बौद्ध धर्म के 'थेरवाद' (Theravada) नामक आरंभिक और रूढ़िवादी रूप का सर्वाधिक प्रभाव किस क्षेत्र में फैला? (इतिहास)
उत्तर: श्रीलंका और म्यांमार
व्याख्या: बौद्ध धर्म का पुराना रूप 'थेरवाद' कहलाता था। कुषाण काल में जहाँ उत्तर भारत में 'महायान' धारा का विकास हुआ, वहीं दक्षिण और पूर्व की ओर थेरवाद का विस्तार हुआ। यह श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे दक्षिण-पूर्वी देशों में व्यापक रूप से फैला।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 96.

"सामान्य-ज्ञान"

6. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को अमेरिका और कैरेबियाई द्वीप समूह के पास किस विशिष्ट भौगोलिक नाम से जाना जाता है? (भूगोल)
उत्तर: हरीकेन (Hurricane)
व्याख्या: तेज हवाओं और कम वायुदाब के कारण बनने वाले चक्रवातों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अलग नाम दिए गए हैं। हिंद महासागर में इन्हें 'चक्रवात', अटलांटिक महासागर (अमेरिका) में 'हरीकेन', और पश्चिमी प्रशांत महासागर (चीन/जापान) में 'टाइफून' कहा जाता है। पवनों का यह क्षेत्रीय नामकरण भूगोल का एक अनिवार्य प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 25.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 324' देश में किस स्वायत्त और संवैधानिक संस्था के गठन का प्रावधान करता है? (संविधान)
उत्तर: भारत निर्वाचन आयोग
व्याख्या: अनुच्छेद 324 के अनुसार, देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की पूरी जिम्मेदारी 'भारत निर्वाचन आयोग' (Election Commission of India) की है। इसके तहत राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण किया जाता है। यह भारतीय लोकतंत्र का मुख्य प्रहरी है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 3 Election and Representation, p. 66.

8. मानव शरीर में वसा (Fat) का पूर्ण रूप से पाचन किस अंग के भीतर संपन्न होता है? (विज्ञान)
उत्तर: क्षुद्रांत्र (Small Intestine)
व्याख्या: वसा का अधिकांश और पूर्ण पाचन छोटी आंत (क्षुद्रांत्र) में होता है। यहाँ यकृत से आने वाला पित्त रस वसा को छोटी-छोटी गोलिकाओं में तोड़ता है (इमल्सीकरण), और फिर अग्न्याशय से निकलने वाला 'लाइपेज' एंजाइम इसे वसा अम्ल और ग्लिसरॉल में बदल देता है। यह शरीर क्रिया विज्ञान का आधारभूत सिद्धांत है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 13.

9. विश्व प्रसिद्ध 'अमरावती स्तूप' जो अपनी उत्कृष्ट संगमरमर की नक्काशीदार पट्टिकाओं के लिए जाना जाता है, किस आधुनिक भारतीय राज्य में स्थित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: आंध्र प्रदेश
व्याख्या: आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर स्थित अमरावती स्तूप मौर्योत्तर और सातवाहन काल की कला का एक बेजोड़ केंद्र था। लगभग 2000 वर्ष पूर्व इस स्तूप को सजाने के लिए सुंदर नक्काशीदार पत्थरों की पट्टियाँ बनाई गई थीं। यह प्राचीन भारतीय मूर्तिकला की अमरावती शैली का प्रतिनिधित्व करता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 113.

10. बिहार के किस ऐतिहासिक स्थल पर देश का पहला 'बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय' और पत्थर का विशाल स्तूप पूर्णतः बनकर तैयार हुआ है? (बिहार GK)
उत्तर: वैशाली
व्याख्या: वैशाली में निर्मित यह आधुनिक संग्रहालय पूरी तरह से पत्थर के बने स्तूप के आकार का है, जिसमें भगवान बुद्ध के वास्तविक अस्थि-अवशेष (Relic Casket) को सुरक्षित और प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गई है। यह बिहार की समृद्ध बौद्ध विरासत और वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) / बिहार पर्यटन बुलेटिन।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार कैलेंडर के अनुसार, भीषण गर्मी और लू (Heatwave) के दिनों में मध्याह्न भोजन (MDM) के समय बच्चों को खाली पेट रहने से क्यों रोकना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: सनस्ट्रोक का खतरा
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई चतुर्थ शनिवार (लू से बचाव) के सुरक्षा मानकों के अनुसार, खाली पेट रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता और ग्लूकोज का स्तर गिर जाता है, जिससे बच्चों पर गर्म हवाओं और सनस्ट्रोक (लू) का हमला होने की संभावना सर्वाधिक होती है। अतः धूप में बाहर निकलने से पहले हल्का भोजन और पर्याप्त पानी पीना अनिवार्य है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

12. यदि किसी निश्चित कूट भाषा में 'FRUIT' को 'HTWKV' लिखा जाता है, तो उसी कूट नियम के आधार पर 'GRAPE' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: ITCRG
व्याख्या: इस तार्किक अनुक्रम में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से 2 स्थान आगे बढ़ रहा है (F+2=H, R+2=T, U+2=W \dots)। इसी नियम के अनुसार: G+2=I, R+2=T, A+2=C, P+2=R, E+2=G होगा। यह रीजनिंग बच्चों की अक्षरात्मक कोडिंग की त्वरित समझ को सुदृढ़ करती है।
संदर्भ: Mental Ability and Logical Reasoning Modules (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Swift (स्विफ्ट) = Fast / Rapid (फास्ट / रैपिड) = तेज
🔁 Antonym – Slow (स्लो) = धीमा
Thrive (थ्राइव) = Flourish / Prosper (फ्लरिश / प्रॉस्पर) = उन्नति करना
🔁 Antonym – Decline (डिक्लाइन) = गिरावट होना
Uplift (अपलिफ्ट) = Encourage / Raise (एनकरेज / रेज़) = उत्साहित करना / ऊपर उठाना
🔁 Antonym – Depress (डिप्रेस) = निराश करना
Venture (वेंचर) = Risk / Attempt (रिस्क / अटेम्प्ट) = साहसिक प्रयास
🔁 Antonym – Avoid (अवॉइड) = बचना
Witty (विटी) = Clever / Humorous (क्लेवर / ह्यूमरस) = चतुर / हास्यपूर्ण
🔁 Antonym – Dull (डल) = नीरस / मंद बुद्धि

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Param 3.0'; India to deploy its first network of 50 Quantum-Secured Data Centres by 2028.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-परम 3.0' की घोषणा की; साइबर हमलों और भविष्य के एआई खतरों से देश के रणनीतिक डेटा को सुरक्षित रखने के लिए 2028 तक 50 पूरी तरह से क्वांटम-सुरक्षित डेटा केंद्र (Quantum-Secured Data Centres) स्थापित किए जाएंगे।

Ministry of Road Transport inaugurates India's first 'Piezoelectric Highway' stretch on the Delhi-Mumbai Expressway; generates clean electricity from vehicular movement.
सड़क परिवहन मंत्रालय ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भारत के पहले 'पीजोइलेक्ट्रिक हाईवे' खंड का उद्घाटन किया; इस तकनीक के तहत सड़क की सतह पर वाहनों के दबाव और घर्षण से स्वच्छ बिजली पैदा कर ग्रिड को भेजी जाएगी।

ISRO successfully test-fires 'NavGati-2' satellite propulsion module; slashes orbital correction time for navigation satellites by 40%.
इसरो ने नेविगेशन उपग्रहों के लिए 'नवगति-2' प्रोपल्शन मॉड्यूल का सफल परीक्षण किया; यह स्वदेशी तकनीक अंतरिक्ष में उपग्रहों के दिशा-सुधार (Orbital correction) में लगने वाले समय को 40% तक कम कर देगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'The Deep-Sea Ecosystem Protection Act'; bans commercial exploration near hydrothermal vents globally.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'गहरे समुद्र पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण अधिनियम' को पारित किया; महासागरों के सबसे गहरे हिस्सों में मौजूद 'हाइड्रोथर्मल वेंट्स' के पास व्यावसायिक खनन और शोध के नाम पर होने वाली खुदाई पर वैश्विक प्रतिबंध लगाया गया।

BBC News: Scientists in Switzerland successfully develop 'Bio-Synthetic Corneas' using collagen from marine algae; cures blindness in clinical trials.
बीबीसी न्यूज़: स्विट्जरलैंड के वैज्ञानिकों ने समुद्री शैवाल (Algae) के कोलेजन से 'बायो-सिंथेटिक कॉर्निया' विकसित करने में सफलता पाई; शुरुआती क्लिनिकल ट्रायल में इसके जरिए कॉर्नियल अंधापन से पीड़ित मरीजों की रोशनी वापस आई।

World Economic Forum (WEF) releases 'Global AI Circular Economy Report 2026'; India leads in electronic-waste recycling efficiency.
विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे (E-waste) के पुनर्चक्रण और प्रबंधन दक्षता में बड़ी छलांग लगाते हुए वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Mithila Aquatic Research and Development Centre' in Darbhanga to boost commercial foxnut and fish polyculture.
बिहार सरकार दरभंगा में 'मिथिला जलीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र' की स्थापना करेगी; यहाँ मखाने और मछली की सह-खेती (Polyculture) को बढ़ावा देने के लिए किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता दी जाएगी।

SCERT Bihar launches 'Kriti-Link' portal; connects 10,000 rural vocational school students with local Khadi and handicraft clusters for live internships.
एससीईआरटी बिहार ने 'कृति-लिंक' पोर्टल लॉन्च किया; इसके तहत कक्षा 9 से 12 के 10,000 ग्रामीण व्यावसायिक छात्रों को राज्य के खादी और हस्तशिल्प क्लस्टर्स के साथ सीधे लाइव इंटर्नशिप और कौशल विकास से जोड़ा जाएगा।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler Lakshya Sen wins historic Gold at the All England Open Badminton Championships 2026; defeats World No. 2 in straight games.
भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में इतिहास रचते हुए पुरुष एकल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया; उन्होंने फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी को सीधे सेटों में पराजित किया।

International Hockey Federation (FIH) trials 'Smart-Turf Technology' to track real-time player speed and ball physics during the Pro League.
अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने प्रो लीग के दौरान 'स्मार्ट-टर्फ टेक्नोलॉजी' का परीक्षण किया; मैदान में लगे विशेष सेंसर वास्तविक समय में खिलाड़ियों की दौड़ने की गति और गेंद के सटीक रोटेशन का डेटा कोचों को विश्लेषण के लिए भेजेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"प्रतिदिन का अद्यतन ज्ञान ही आपको भीड़ से अलग और परीक्षाओं में सफल बनाता है। निरंतरता बनाए रखें।"

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी

"लू से बचाव"

(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: अनीता मैडम, अमन, सीमा, रोहित, अन्य छात्र

दृश्य – विद्यालय की छुट्टी के बाद

(मई महीने की तपती दोपहर है। विद्यालय की छुट्टी हो चुकी है। बच्चे घर जाने की तैयारी कर रहे हैं। बाहर तेज धूप और गर्म हवा चल रही है।)

अमन: अरे! आज तो बहुत गर्मी है। ऐसा लग रहा है जैसे आग बरस रही हो।

सीमा: हाँ, सुबह से ही धूप बहुत तेज है। घर तक पैदल जाना भी मुश्किल लग रहा है।

तभी अनीता मैडम बच्चों के पास आती हैं।

अनीता मैडम: बच्चों, आजकल तापमान बहुत बढ़ गया है। ऐसे मौसम में लू लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए घर जाते समय विशेष सावधानी रखना जरूरी है।

रोहित: मैडम, लू लगती कैसे है?

अनीता मैडम: जब कोई व्यक्ति तेज धूप और गर्म हवा में अधिक समय तक रहता है, तब उसके शरीर का तापमान बहुत बढ़ जाता है। इसे लू लगना कहते हैं।

सीमा: इसके लक्षण क्या होते हैं?

अनीता मैडम: तेज सिरदर्द, चक्कर आना, अत्यधिक प्यास लगना, कमजोरी, उल्टी आना और कभी-कभी बेहोशी भी हो सकती है।

दृश्य – सावधानी की सीख

अमन: मैडम, इससे बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

अनीता मैडम: बहुत अच्छे प्रश्न। याद रखो— घर से निकलते समय पानी पीकर निकलो। अपने साथ पानी की बोतल रखो। सिर को टोपी, गमछे या छाते से ढककर रखो। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनो। बहुत अधिक दौड़-भाग और खेलकूद से बचो। बार-बार पानी, नींबू पानी, छाछ या ओआरएस का सेवन करो।

रोहित: और अगर किसी को लू लग जाए तो?

अनीता मैडम: उसे तुरंत छायादार स्थान पर ले जाओ, कपड़े ढीले कर दो, पानी पिलाओ और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर के पास ले जाओ।

दृश्य – संकल्प

अमन: मैडम, अब हम धूप में लापरवाही नहीं करेंगे।

सीमा: और यह जानकारी अपने परिवार और दोस्तों को भी बताएँगे।

अनीता मैडम: बहुत अच्छा बच्चों। जागरूकता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है।

सभी बच्चे (एक साथ): "लू से बचें, स्वस्थ रहें!"

संदेश : "गर्मी में थोड़ी-सी सावधानी हमें बड़ी परेशानी से बचा सकती है। सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें।"

.....✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में आपदा प्रबंधन दल का गठन एवं कार्य

प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उससे जूझने की पूर्व तैयारी एवं समुचित प्रबंधन से आपदा के प्रभाव को बहुत हद तक कम करना संभव है। विद्यालय में आग, भूकंप, बाढ़, आंधी, बिजली, दुर्घटना जैसे आपदा की स्थिति में यदि पूर्व से विद्यालय में आपदा प्रबंधन दल कार्यरत हो तो आपदा से निपटने का कार्य तुरंत, सटीक और व्यवस्थित रूप से कर पाना संभव है। हमें अपने विद्यालयों में प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में एक आपदा प्रबंधन दल का गठन करना चाहिए तथा दल के सभी सदस्यों को उनकी भूमिका पर बार बार माकड्रिल कराते हुए संभावित आपदा के प्रति जागरूक करना चाहिए।

विद्यालय स्तर पर गठित आपदा प्रबंधन दल की संरचना में प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त सभी शिक्षक, बाल संसद, मीना मंच, यूथ क्लब, इको क्लब के प्रतिनिधि, रसोइया, रात्रि प्रहरी, शिक्षा सेवक, विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य हो सकते हैं।

मुख्य दल के अन्तर्गत कई उपदल बनाये जाने चाहिए। उप दल एवं उनकी जिम्मेदारी निम्नवत हो सकती है:

1. आकस्मिक अलार्म दल

इस दल में दो छात्र एवं एक शिक्षक होंगे जो अचानक आपदा आने पर अलार्म या खतरे की घंटी बजाकर सबों को आपदा की चेतावनी देंगे। साथ ही, आपातकालीन नंबर पर उच्चाधिकारियों को सूचना देंगे।

2. निकास दल

इस दल में तीन छात्र एवं एक शिक्षक होंगे। इनका मुख्य काम होगा आपदा की सूचना प्राप्त होते ही छात्रों को कक्षा सुरक्षित लाइन में बाहर निकाल कर खुले में खड़ा कराना, छात्रों के बीच भगदड़ रोकना, दिव्यांग एवं छोटे छात्रों को बाहर लाने में सहायता करना। बाहर आये सभी छात्रों की गिनती करते हुए प्रधानाध्यापक को उपस्थित तथा मिसिंग छात्र की सूचना देना।

3. खोज एवं बचाव दल

इस दल में तीन-चार मजबूत कद काठी वाले छात्र एवं शिक्षक होंगे। इनका मुख्य काम होगा मिसिंग छात्र को वर्ग कक्ष या परिसर से ढूंढ कर लाना तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सा सहायता हेतु चिकित्सा दल के पास पहुंचाना। ये खोजने के क्रम में अपने साथ स्ट्रेचर रखेंगे।

4. प्राथमिक चिकित्सा दल

इस दल में दो छात्र एवं एक विज्ञान के शिक्षक हो सकते हैं।इस दल को छोटी चोट का उपचार करना एवं प्राथमिक उपचार बॉक्स संभालना, आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस बुलाने का कार्य करना चाहिए।

5. सुरक्षा दल

इस दल में चार से पांच छात्र एवं एक शिक्षक हो सकते हैं जिनका मुख्य कार्य है आपदा की स्थिति में विद्यालय में छात्रों की भीड़ को नियंत्रित करना, मुख्य द्वार खुलवान, अभिभावकों को व्यवस्थित रखना।

6. जागरूकता दल

इस दल में दो छात्र एवं एक शिक्षक हो सकते हैं। आपदा की स्थिति में खुले में बैठे छात्रों को विभिन्न तरह की कविता कहानी सुनाकर उनके घबराहट को दूर कर मनोबल बढ़ाने का कार्य इस दल का होता है।

6. मीडिया दल

इस दल में भी दो छात्र एवं एक शिक्षक होंगे। आपदा की स्थिति में प्रधानाध्यापक की सहमति से मीडिया को सूचना देने या बाईट देने के लिए ये अधिकृत होते हैं।

7. फायर फाइटर दल

इस दल में 6-7 छात्र एवं एक शिक्षक होंगे। स्काउट एवं गाइड के प्रशिक्षित छात्र इसमें होंगे। आग लगने की स्थिति में फायर फाइटर दल के सदस्य आसानी से उपरी मंजिल पर फंसे छात्रों को रस्सी की सहायता से नीचे सुरक्षित ले आते हैं।

आपदा प्रबंधन दल को विद्यालय का आपदा मानचित्र बनाकर रखना चाहिए। उसमें निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, पानी का स्रोत, बिजली मेन स्विच, फर्स्ट एड स्थान दिखाया जाना चाहिए।

आपदा प्रबंधन दल के पास फर्स्ट एड बॉक्स, घंटी, सीटी, रस्सी, टॉर्च, आपातकालीन नंबर सूची, अग्निशामक यंत्र की जानकारी होनी चाहिए।

आपदा प्रबंधन दल हर 2–3 महीने में विद्यालय में भूकंप ड्रिल, आग लगने की ड्रिल, सुरक्षित निकासी अभ्यास आदि का माक ड्रिल कराना चाहिए।

ऐसा करने से हम आपदा को भले रोक नहीं सकते पर उसके प्रभाव को कम जरूर कर सकते हैं।

तो आईए इस शनिवार हम अपने विद्यालय में एक सशक्त आपदा प्रबंधन दल गठित करें।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : सीतामढ़ी, अंक–1"

मिथिला का हृदय और पावन प्राकट्य भूमि - एक परिचय

'संपादकीय'

पूर्वी चंपारण की पूर्वी सीमाओं को पार करते ही हम मिथिलांचल के उस गौरवशाली क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, जिसे सीतामढ़ी के नाम से जाना जाता है। भौगोलिक रूप से यह जिला उत्तर बिहार के मध्य-उत्तरी भाग में स्थित है, जिसकी सीमाएं उत्तर में नेपाल के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करती हैं। जिला मुख्यालय सीतामढ़ी शहर, अपनी सांस्कृतिक जड़ों और सामरिक अवस्थिति के कारण न केवल भारत बल्कि नेपाल के तराई क्षेत्रों के लिए भी एक प्रमुख सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र है। नेपाल के 'जनकपुर' से इसकी निकटता इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'रामायण सर्किट' की एक सबसे मज़बूत कड़ी के रूप में स्थापित करती है।

इस जिले का भूगोल मुख्य रूप से बागमती, लखनदेई, मनुसमारा और अधवारा समूह की नदियों के प्रवाह तंत्र से निर्मित हुआ है। नेपाल की पहाड़ियों से उतरकर आने वाली ये नदियाँ अपने साथ अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी लाती हैं, जो इस क्षेत्र को कृषि के दृष्टिकोण से बेहद समृद्ध बनाती है। यहाँ की 'चीका' और 'दोमट' मिट्टी धान, गेहूं, मक्का और दलहन की फसलों के लिए स्वर्ण भूमि के समान है। इसके अलावा, सीतामढ़ी का तराई बेल्ट अपने प्रचुर आम और लीची के बागीचों के लिए भी जाना जाता है, जो स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।

इतिहास और पौराणिक चेतना की दृष्टि से सीतामढ़ी का नाम संपूर्ण विश्व में आदर के साथ लिया जाता है। त्रेतायुग में जब राजा जनक ने अकाल से मुक्ति के लिए इस भूमि पर हल चलाया था, तब पुनौरा धाम में धरती की गोद से आदि शक्ति माँ सीता का प्राकट्य हुआ था। यही कारण है कि यह जिला केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति और नारी शक्ति के सम्मान का एक अमर प्रतीक है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र महान विदेह साम्राज्य का हिस्सा था, जहाँ याज्ञवल्क्य और गार्गी जैसे मनीषियों ने उपनिषदों के उस ज्ञान को जन्म दिया जिसने पूरी दुनिया को अध्यात्म की नई राह दिखाई।

सांस्कृतिक रूप से सीतामढ़ी, मिथिला संस्कृति का धड़कता हुआ दिल है। यहाँ की हवाओं में भोजपुरी और मैथिली का एक अत्यंत मधुर संगम सुनने को मिलता है। यहाँ की साझी संस्कृति, कला और लोक-परंपराएं सदियों पुरानी हैं। 'झिझिया' और 'सामा-चकेवा' जैसे लोक-पर्व प्रकृति, परिवार और मानवीय संबंधों के उस ताने-बाने को प्रदर्शित करते हैं, जो आधुनिक समाज के लिए अनुकरणीय हैं। इसके साथ ही, भारत-नेपाल सीमा पर स्थित होने के कारण यहाँ की 'रोटी-बेटी' की सांस्कृतिक विरासत दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों से भी कहीं अधिक मज़बूत और जीवंत अंतरराष्ट्रीय संबंध का निर्माण करती है।

अंततः, सीतामढ़ी अतीत की पौराणिक भव्यता और आधुनिक विकास की आकांक्षाओं का एक सुंदर कोलाज है। यह जिला हमें सिखाता है कि कैसे अपनी गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को अक्षुण्ण रखते हुए भी एक समाज आधुनिक चुनौतियों का सामना कर सकता है। यहाँ की मेधा, कला और श्रमशीलता इसे बिहार का एक अत्यंत विशिष्ट जिला बनाती है। आगामी अंकों में हम इस जिले की गहन ऐतिहासिक कड़ियों, विशिष्ट भौगोलिक स्वरूपों, यहाँ की प्रसिद्ध विभूतियों और उन अनूठे स्थानीय उद्योगों की चर्चा करेंगे जो एक प्रतियोगी परीक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत प्रामाणिक और ज्ञानवर्धक हैं।

अगले अंक (अंक-02) में हम सीतामढ़ी के "विशिष्ट पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल (पुनौरा धाम, जानकी स्थान, हलेश्वर स्थान, पंथपाकड़) और उनकी वास्तुकला" पर गहराई से चर्चा करेंगे। क्या हम इस यात्रा को आगे बढ़ाएं?

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org